सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 27 JANUARY TO 02 FEBUARY 2022 • VOLUME-28 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

अगर जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो यह तीन गुण व्यक्ति में अवश्य होने चाहिए।

पहला धैर्यवान होना,

दूसरा पवित्र होना

और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण दृढ़ निश्चयी होना।

मास्क जरूरी,
नहीं कोई मजबूरी

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

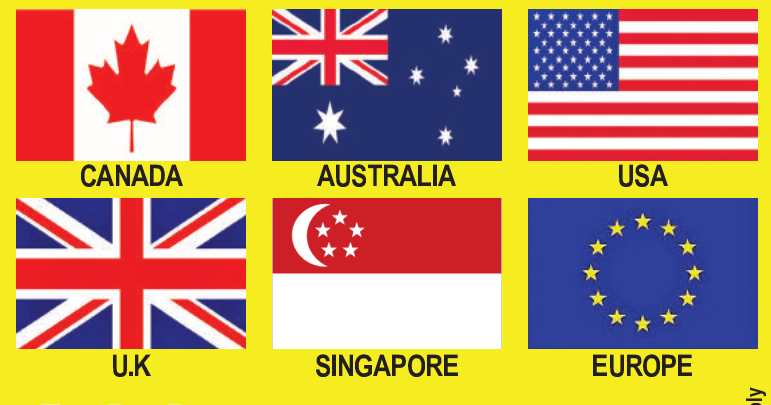

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

T&C apply

पंजाब हमारे लिए सिर्फ प्रदेश नहीं बल्कि एक विचारधारा है : राहुल गांधी

कहा- कार्यकर्ताओं से पूछकर लेंगे सीएम चेहरे का निर्णय

जालंधर. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को जालंधर में एक वर्चुअल रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे सामने पंजाब का चुनाव है और यह सिर्फ चुनाव नहीं है बल्कि पंजाब के भविष्य का सवाल है। पंजाब किस दिशा की तरफ और किस रास्ते आगे बढ़ेगा यह सवाल है। हमारे लिए पंजाब एक चिह्न है, यह हमारे लिए सिर्फ एक प्रदेश नहीं बल्कि एक विचारधारा है। पंजाब भाईचारा है।

राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब ने हमें एक प्रधानमंत्री दिया। जिन्होंने 10 सालों तक इस देश को रास्ता दिलाया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, वह एक सोच हैं, काम करने का एक तरीका हैं। उसको आप पंजाबियत कहते हो। हर धर्म का आदर, बुजुर्गो का आदर, महिलाओं का आदर यह हमारी सोच है और रास्ता आप लोगों को चुनना है।

इसी बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी दोनों ने मुझे आश्वासन दिया कि दो लोग नेतृत्व नहीं कर सकते हैं, एक ही व्यक्ति नेतृत्व करेगा। दोनों ने कहा कि जो भी नेतृत्व करेगा, दूसरा व्यक्ति कसम खाकर अपनी पूरी शक्ति उसकी मदद में लगाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, यह एक विचारधारा है। जिसने अंग्रेजों से लड़कर इस देश को बनाया है और इस विचारधारा में हम सब एक हैं। जैसे कहा जाता है कि पंजाब पांच नदियों का स्टेट है लेकिन जब हम इसे गहराई से देखते हैं तो पांच नदियां एक नदी से आती है और फिर समुद्र में जाकर मिल जाती है।

उन्होंने कहा कि पंजाब शब्द के भीतर हमारा चिन्ह पंजा भी है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी, पार्टी कार्यकर्ता और पंजाब चाहता है तो फिर हम मुख्यमंत्री का निर्णय लेंगे, हम इसका निर्णय अपने कार्यकर्ताओं से पूछकर लेंगे। जो सही व्यक्ति होगा वो पंजाब को आगे ले जाएगा और दूसरा व्यक्ति और दूसरे लोग मिलकर टीम की तरह उसका साथ देंगे।

हालांकि आप की तरफ से भगवंत मान की घोषणा के बाद कांग्रेस ने रणनीति बदली है। आज राहुल गांधी के भाषण से ठीक पहले नवजोत सिंह सिद्धू ने मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान करने की मांग की। वहीं चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू मेरा बड़ा भाई है। राहुल गांधी आपसे विनती है, मुझे किसी पद की चाहत नहीं है जो सही लगे उसे चेहरा घोषित करिए। चन्नी ने कहा किसी को भी चेहरा बनाओ मैं उसी के लिए कैम्पेन करूँगा। मुझे जो मिला उससे ज्यादा क्या मांग सकता हूं? हमारी सरकार आनी चाहिए, लेकिन लोग चेहरा मांगते हैं। इसके बाद चरनजीत सिंह चन्नी ने नवजोत सिंह सिद्धू को पास बुलाकर उन्हें अपने गले से लगा लिया।

मुख्यमंत्री ने दोआबे को शहीदों की धरती कहा

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जालंधर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

जालंधर. पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने दोआबे को शहीदों की धरती बताते हुए बुधवार को कहा कि यह इलाका ग़दर और बब्बर लहरों का केंद्र रहा है, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था। 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुरू गोबिन्द सिंह स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने लोगों को बधाई दी। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनगिनत बलिदान देने वाले प्रतिष्ठित क्रांतिकारियों जैसे बाबा महाराज सिंह, बाबा राम सिंह, शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, सुखदेव, लाला लाजपत राय, शहीद उधम सिंह, शहीद करतार सिंह सराभा, मदन लाल ढींगरा, दीवान सिंह कालेपानी और अन्य बहुत से क्रांतिकारियों के बलिदानों को याद करते हुए चन्नी ने कहा, "इन स्वतंत्रता सेनानियों ने निरक्षरता, बेरोज़गारी, सामाजिक, आर्थिक और कानूनी असमानताओं से मुक्त भारत की कल्पना की थी। मैं जालंधर

की पवित्र धरती से देशभक्ति से ओतप्रोत इन महान सपूतों के सम्मान में अपना सिर झुकाता हूँ।" उन्होंने यह भी याद किया कि विदेशी साम्राज्य के दमनकारी शासन को खत्म करने में पंजाबियों ने अहम भूमिका निभाई और सबसे अधिक बलिदान दिए।

इसी तरह मुख्यमंत्री ने आज़ादी के बाद देश के समग्र विकास में पंजाबियों विशेष रूप से मेहनती किसानों द्वारा निभाई जा रही अनमोल सेवा का भी जिक्र किया, जिससे स्पष्ट होता है कि हमारे देश को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब ने राष्ट्रीय अन्नभंडार में 60 प्रतिशत से अधिक का योगदान देकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इस अवसर पर अन्यों के अलावा सांसद चौधरी संतोख सिंह, पूर्व मंत्री महिन्दर सिंह के.पी., विधायक सुशील कुमार रिंकू, राजिन्दर बेरी और अवतार सिंह बावा हेनरी, उपायुक्त घनश्याम थोरी, पुलिस आयुक्त नौनिहाल सिंह और नगर निगम के आयुक्त करनेश शर्मा उपस्थित थे।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2022

दूसरे दिन दाख़िल हुए 91 नामांकन

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सी.ई.ओ.) डॉ. एस. करुणा राजू ने गुरूवार को बताया कि एनकोर सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दूसरे दिन राज्य में सिर्फ़ 91 नामांकन ही दाख़िल हुए हैं। पहले दिन 12 नामांकन दाख़िल होने के साथ, अब राज्य में दाख़िल नामांकन की कुल संख्या 103 हो गई है। डॉ. राजू ने मतदाताओं से आग्रह किया कि वह मोबाइल ऐप्लीकेशन 'नो यूअर कैंडीडेट' का अधिक से अधिक प्रयोग करें, जिसका प्रयोग कर मतदाता किसी भी उम्मीदवार का फोटो सहित उसके विवरण और आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

तबले को हथौड़ी मार कर सुर में किया जा सकता है पर सिद्धू को नहीं : हंस राज

हंस राज ने बाबा साहिब को दलितों का मसीहा कहे जाने पर जताया कड़ा ऐतराज

जालंधर. बाबा साहिब डॉ. भीम राव अंबेडकर साहिब की प्रतिमा की आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री चेहरे के उम्मीदवार भगवंत मान द्वारा की गई बेअदबी पर पंजाब के जाने-माने गायक तथा भाजपा के लोकसभा सांसद हंस राज हंस ने जालंधर में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान कड़ा कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवंत मान को अपने किए की बाबा साहिब के चरणों में गिर कर माफ़ी मांगनी चाहिए। इसके साथ ही भगवंत मान को सारे एस.सी. समाज के लोगों से लिखित रूप में क्षमा-याचना करनी चाहिए और एस.सी.

कमीशन व अन्य एस.सी. समाज से जुड़े सभी विभागों से माफ़ी मांगनी चाहिए। हंस राज ने कहा कि ऐसी हरकतों से राजनीतिक ताज नहीं मिलते।

नवजोत सिद्धू पर बोलते हुए हंस राज ने कहा कि 'तबले को तो हथौड़ी मार कर सुर में किया जा सकता है, लेकिन सिद्धू जी को नहीं।' मोदी ने पंजाब के लिए बहुत कुछ किया है और वो पंजाब के लिए बहुत कुछ सोच रहे हैं। मोदी के काफिले को कांग्रेस द्वारा साजिश के तहत रोके जाने पर बोलते हुए हंस राज ने कहा कि चाँद पर थूकने वालों के अपने मुँह पर ही थूक गिरता है और कांग्रेस के साथ भी ऐसा ही हुआ है। हंस राज ने देश के सभी बच्चों के लिए 'वन नेशन वन एजुकेशन' का नारा बुलंद किया। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से सभी मामले हल हो जाएंगे। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महासचिव राजेश बागा, प्रदेश प्रवक्ता अनिल सरीन, प्रदेश मीडिया सचिव जनार्दन शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

सिद्धू की 'ओये' और 'तू' तड़क वाली शब्दावली से परेशान कांग्रेस के ही कई दिग्गज नेता, क्या अंदरखाते 2022 के चुनाव में करेंगे उन्हें हराने का काम

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पंजाब में कांग्रेस की सरकार ने पिछले पांच साल राज किया जिसमें साढ़े चार साल कैप्टन अमरिंदर सिंह बतौर मुख्यमंत्री रहे और तकरीबन 4 महीने चरणजीत सिंह चन्नी मुख्यमंत्री रहे और नवजोत सिद्धू बतौर प्रधान पिछले कई महीनों से आज तक सेवाएं निभा रहे हैं। परन्तु वह कांग्रेस में रहकर पिछले काफी समय से कांग्रेस को ही हिट विकेट करने का काम लगातार कर रहे हैं जिसमें सबसे पहले चन्नी सरकार द्वारा किए गए सैंड को सस्ते करने के दावे को उनके सामने ही यह कह देना की जमीनी स्तर पर कोई भी चीज़े लागू नहीं हुई। सिद्धू के ऐसा कहने पर चन्नी खुद को स्टेज पर काफी असहज महसूस किया। फिर भी वो बार-बार कहते रहे कि वो सिद्धू की हर बात मानने को तैयार हैं जिसमें उन्होंने सिद्धू की डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस की मांग को और अधिवक्ता जनरल को बदलने की मांग को मान लिया। जिस पर बाकी सीनियर नेताओं ने इसका कड़ा विरोध किया कि कोई बतौर प्रधान मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त किए गए चेहरों को जबरदस्ती कैसे बदलवा सकता है।

लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू के तेवर देखकर तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता कि वे अभी यहीं पर रूकने वाले हैं। वो अंदरखाते हाई कमांड से खफा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसा कद्दावर नेता के खिलाफ वो ही लड़े हैं और उनके द्वारा तैयार की गई जमीन पर चन्नी को बिठा दिया गया। इससे यह लगता है कि हाई कमांड ने सिद्धू को अपना मोहरा बना कर कैप्टन को उतरवाया। क्योंकि राहुल गांधी को लगता था कि कैप्टन को हटाना इतना आसान नहीं है। कारण कैप्टन हाई कमांड की परवाह भी नहीं करते जो राहुल गांधी को पसंद नहीं था और जो गलती उन्होंने कैप्टन को पावरफुल बनाकर की है वो सिद्धू को बतौर प्रधान और मुख्यमंत्री बनाकर इतना पावरफुल नहीं करना चाहते। ताकि फिर सिद्धू को उतारने के लिए उनको किसी और को मोहरा बनाना पड़े।

बतौर प्रधान सिद्धू हाई कमांड को उनकी बात को नज़रअंदाज करने पर ईंट से ईंट खड़काने की धमकी एक सभा को संबोधित करते हुए दे चुके हैं। जिसके परिणामस्वरूप हाई कमांड इनको मुख्यमंत्री चेहरा भी घोषित नहीं कर रही और लगता है रोष स्वरुप नवजोत सिद्धू आजकल मीडिया से बात करते वक्त

सिद्धू एक...भाव...अनेक

अपने शब्दावली का भी ध्यान नहीं रख रहे हैं वे तू तड़ाक करके अपना आपा खो देते हैं।

अक्सर संबोधित करते समय विपक्ष के नेताओं को ...तू...तू करके संबोधित करते देखे गए हैं जोकि पहले इनके बॉस रह चुके कैप्टन अमरिंदर सिंह को पिता सामान बोलते थे। आजकल चला हुआ कारतूस कह कर संबोधित करते हैं। यह सब उनके अंदर मुख्यमंत्री बनने की दिन व दिन बढ़ रही महत्वाकांक्षा उनको बेचैन कर रही है।

वहीं अब सुखबीर बादल ने बिक्रम सिंह मजिठिया को सिद्धू के खिलाफ अमृतसर ईस्ट से उतारा है। उधर क्या सिद्धू की 'ओये' और 'तू' तड़क वाली शब्दावली से परेशान कांग्रेस के ही कई दिग्गज नेता अंदरखाते चुनाव में उन्हें हराने का काम कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री बनने की दिन व दिन बढ़ रही महत्वाकांक्षा कर रही है सिद्धू को परेशान, नहीं रख पा रहे शब्दावली पर संयम

आप भी हैं कॉफी लवर? तो भारत की इन खूबसूरत जगहों पर घूमना ना भूलें...

क्या आपने कभी सोचा है कि क्या होगा जब आप कॉफी को वहां बैठ कर एंजॉय करें, जहां से वह आई है, तो चलिए जानते हैं भारत में कॉफी लवर्स के लिए देखने लायक जगह...

आज के वक्त में हम अक्सर लोगों के मुंह से सुनते हैं कि हम चाय नहीं पीते लेकिन कॉफी पीते हैं। कॉफी के चाहने वालों के लिए एक कप कॉफी चाहें वे ज्यादा मीठी, डिकैफिनेटेड या कोल्ड हो, हर तरह से जान से प्यारी होती है। हालांकि ज्यादा कॉफी के सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसे में आज हम आपको कॉफी के उन बागानों के बारे में बताएंगे जहां आप कभी भी लुफ्त उठा सकते हैं।

वायनाड : केरल का बेहद खूबसूरत प्लेस हैं। यहां अक्सर लोग घूमने जाते हैं। लेकिन रोमांस के अलावा ये जगह भारत के कॉफी जगहों में से एक है। आप यहां कॉफी के हरे भरे बागानों का लुफ्त उठा सकते हैं।

कूर्ग को कर्नाटक की शान कहा जाता है, लेकिन यह कई कॉफी बागानों का घर है, जो अरेबिका और रोबस्टा का उत्पादन करते हैं। अगर आप यहां घूमने का प्लान कर रहे हैं तो नवंबर का महीना बेहतरीन है। यहां हर किसी को एक बार जाना चाहिए।

कर्नाटक का चिकमगलूर अपने खूबसूत नजारों के लिए पर्यटकों के बीच फेमस है। आपको बता दें कि कुर्द से कुछ घंटों की दूरी पर बसा यहां ब्रिटिश राज के दौरान भारत में पहली बार कॉफी की शुरूआत हुई थी। यहां कई तरह के कॉफी के बागान मौजूद हैं।

अरकू : आंध्र प्रदेश का एक खूबसूरत प्लेस हैं। आपको बता दें कि यहां हजारों आदिवासी कॉफी की खेती का पर ही निर्भर हैं। ऐसे में अगर आप कभी अरकू जाएं तो यहां के स्थानीय लोगों द्वारा उगाई जाने वाली जैविक कॉफी का स्वाद जरूर लें।

यरकौड तमिलानाडु में बसा है, ये दक्षिण भारत का गहना कहा जाता है, दरअसल यहां कई कॉफी के बागान हैं, अगर आप कभी यहां घूमने जाएं तो कॉफी के बागान का लुफ्त एक बार जरूर उठाएं। कहते हैं कि यह एमएसपी कॉफी का भी घर है, जो अब तक का पहला भारतीय स्वामित्व कॉफी बागान है।

HEALTH +

बगैर जिम इक्विपमेंट भी घटाया जा सकता है वजन, करें घर पर ये एक्सरसाइज

कोरोना के इस दौर में जिम जाना थोड़ा मुश्किल हो गया है, लेकिन घर पर रहकर बढ़ते वजन को कंट्रोल करना भी जरूरी है। ऐसे में जिम इक्विपमेंट्स के बिना घर पर आप कुछ एक्सरसाइज करके वजन को कंट्रोल में रख सकते हैं। इन फिटनेस टिप्स को अपनाएं।

पुश अप : इस एक्सरसाइज को करने से कंधे, चेस्ट और पेट की चर्बी को कम करके उन्हें फिट किया जा सकता है। इतना ही नहीं ये एक्सरसाइज शरीर को अंदर से मजबूत भी करती है।

बर्पी : इस एक्सरसाइज को करके फैट को बर्न किया जा सकता है। इसे करने के लिए पहले सीधे खड़े होएं और फिर हवा में जंप करके जमीन पर लेटना होता है। इस एक्सरसाइज के 20-20 रैप वाले 3 सेट करें।

हाई नी : इस एक्सरसाइज को करने शरीर एक्टिव होता है और शरीर में पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है। इसे करने के लिए आपको एक जगह खड़े होकर भागना है। ध्यान दें कि इसे करते समय आप घुटनों को जितना ऊपर की तरफ लाएंगे, आपको उतना ही फायदा होगा। हालांकि, इसे करते समय सांस फूल सकती है।

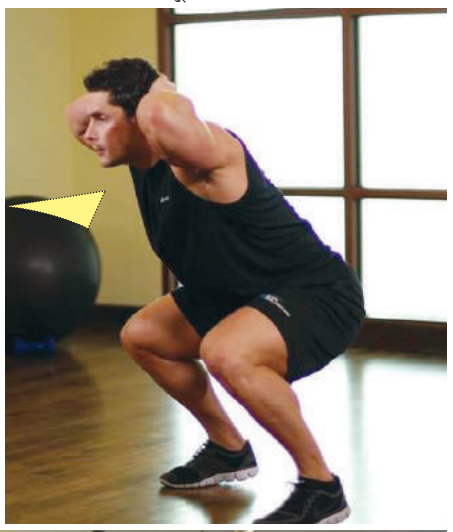

फ्रॉग जंप : इस एक्सरसाइज से भी फैट को बर्न किया जा सकता है। इसके लिए पैरों को चौड़ा करके खड़े हो जाएं और अब स्क्वाट पोजिशन में आ जाएं। अब खड़े हो और आगे की ओर कूदें और ऐसा बार-बार करें। विशेषज्ञों का मानना है कि दिन में करीब 70 से 80 फ्रॉग जंप करनी चाहिए।

स्क्वाट जंप : इस एक्सरसाइज को करने से भी वजन घटाने में काफी मदद मिलती है। इसे करने के लिए खड़े होकर पैरों को खोल लें और फिर हाथों को पीछे लेकर जंप लगाएं। ध्यान रहे कि इस दौरान आपकी बॉडी स्ट्रेट रहे।

स्वाद और सेहत दोनों का कॉम्बीनेशन है अदरक का मुरब्बा, जानें फायदे और रेसिपी !

अदरक काफी गुणकारी होती है, लेकिन इसका स्वाद हर किसी को पसंद नहीं आता। ऐसे में अदरक का मुरब्बा बनाकर खाया जा सकता है। इससे आपको इसका स्वाद भी पसंद आएगा और आपकी सेहत को भी काफी फायदे होंगे।

सेहत के लिहाज से अदरक के तमाम फायदे हैं। अदरक आपके पाचन क्रिया को दुरुस्त करती है, सर्दी के असर से बचाती है, खांसी, जुकाम और खराश जैसी समस्याओं में राहत देती है। यही वजह है कि सर्दियों में अक्सर लोग अदरक को चाय में डालकर या सब्जियों में डालकर इस्तेमाल करते हैं। लेकिन तमाम लोगों को अदरक स्वाद पसंद नहीं होता, ऐसे लोगों को अदरक के फायदे दिलाने के लिए आप इसका मुरब्बा बना सकते हैं। अदरक का मुरब्बा खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है और शरीर की तमाम समस्याओं को दूर करने में भी मददगार माना जाता है। सर्दी के दिनों में अस्थमा रोगियों के लिए ये किसी वरदान से कम नहीं। इसे बनाने के लिए आपको बहुत ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं। यहां जानिए अदरक का मुरब्बा बनाने का आसान तरीका।

अदरक के मुरब्बे की सामग्री

- अदरक का मुरब्बा बनाने के लिए आपको मुश्किल से आधा घंटे का समय खर्च करने की जरूरत होगी। इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती। 1 किलो अदरक का मुरब्बा बनाने के लिए 1 किलो चीनी, 20 ग्राम इलायची पाउडर, 10 ग्राम गुलाब जल और एक नींबू की आवश्यकता पड़ेगी।

अदरक का मुरब्बा बनाने की विधि

- सबसे पहले अदरक को धोकर और इसका छिलका हटा दें। इसके बाद अदरक को छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। अब गैस पर कड़ाही रखें और गैस को जलाएं। इसमें एक गिलास भरकर पानी डालें और चीनी डाल दें।
- पानी और चीनी को उबलने दें और इसकी एक तार की चाशनी बनाएं। अब एक अन्य बर्तन लेकर अदरक डालें और इसे उबालें। इसके बाद अदरक के टुकड़ों को चाशनी में डालकर मिक्स करें। इसमें इलायची पाउडर, नींबू अच्छी तरह मिलाएं और धीमी आंच पर पकाएं।
- जब ये अच्छे से पक जाए, तो समझिए तैयार है अब अदरक का मुरब्बा। ठंडा होने के बाद इसे किसी कांच के कंटेनर में भर दें और इसका आनंद लें।

अदरक के मुरब्बे के फायदे

- अदरक का मुरब्बा गर्म तासीर का होता है, इसे आप खांसी, सर्दी-जुकाम के दौरान खा सकते हैं। इसके अलावा पेट में गैस, अपच, मितली आदि की समस्या में भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं। इससे काफी लाभ मिलेगा। सैंडविच में स्प्रैड के तौर पर भी आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

रिवर राफ्टिंग के शौकीन भारत की इन जगहों को कर सकते हैं एक्सप्लोर

वैसे तो रिवर राफ्टिंग को काफी खतरनाक खेल माना जाता है, पर देखा जाए तो ये उतना खतरनाक है नहीं। थोड़े से खतरे के साथ इसमें रोमांच भी काफी होता है।

पैराग्लाइडिंग और स्काईडाइविंग के अलावा रिवर राफ्टिंग भी लोगों को बहुत पसंद होती है। रिवर राफ्टिंग का नाम सुनकर ही मन में पानी की लहरों के साथ खेलने का अनुभव महसूस होने लगता है। पानी में खेले में लोग बहती हुई तेज धाराओं का सामना करते हैं। दरअसल, इसमें रबड़ की नाव में बैठकर पानी की तेज धाराओं के बीच चलना होता है। हालांकि, बैठने वाले लोगों को स्पेशल सूट पहनाया जाता है, ताकि वे अगर पानी में गिर भी जाए तो डूबे नहीं। वैसे तो रिवर राफ्टिंग को काफी खतरनाक खेल माना जाता है, पर देखा जाए तो ये उतना खतरनाक है नहीं।

थोड़े से खतरे के साथ इसमें रोमांच भी काफी होता है। खास बात है कि इस स्पोर्ट के लिए भारत में कई बेहतरीन लोकेशन मौजूद हैं। अगर आप भी रिवर राफ्टिंग के शौकीन हैं, तो इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। जानें

कुर्ग : ये दक्षिण भारत की एक पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन है, जहां हल साल काफी संख्या में एंजॉय के लिए पहुंचते हैं। यहां आप रिवर राफ्टिंग का भी मजा ले सकते हैं। कुर्ग में स्थित बरलोप नदी में राफ्टिंग कराई जाती है। कहा जाता है कि आप यहां पर करीब 8 किलोमीटर की राफ्टिंग कर सकते हैं और इसके लिए आपको 3000 से 5000 या उससे ज्यादा भी पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

श्रषिकेश : प्राचीन और धार्मिक सभ्यता को संजोने वाला श्रषिकेश रिवर राफ्टिंग के लिए भी देशभर में मशहूर है। कहते हैं कि अगर रिवर राफ्टिंग करने की बात की जाए तो दिमाग में सबसे पहले श्रषिकेश को ख्याल ही आता है। यहां आपको इस स्पोर्ट को करने के लिए ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ेंगे। यहां 500 से 1000 रुपये में 5 से 6 किलोमीटर की राइड कराई जाती है।

अलकनंदा नदी : उत्तराखंड में मौजूद इस नदी में भी रिवर राफ्टिंग कराई जाती है। यहां राफ्टिंग के कठिनाई का स्तर 3 से 4 रहता है। राफ्टिंग के दौरान आपको खूबसूरत घाटियों के नजारे भी देखने को मिलेंगे। अगर आप यहां इस स्पोर्ट को करते हैं, तो आपको इसके लिए करीब 1000 से 1500 रुपये देने पड़ेंगे।

कुल्लू : भारत के सबसे चर्चित टूरिस्ट स्पॉट कुल्लू में भी रिवर राफ्टिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां एक इंसान को राफ्टिंग कराने के लिए 2000 रुपये के आसपास खर्च करने पड़ते हैं, हालांकि ये थोड़ा महंगा साबित हो सकता है। यहां अधिकतम 9 किलोमीटर की रिवर राफ्टिंग करना जारी है। कुल्लू के खूबसूरत नजारों को आप राफ्टिंग के दौरान देख सकते हैं।

DO YOU KNOW

स्मार्टफोन में नैनो सिम भी नहीं लगाना पड़ेगा, पढ़िए नया 'आई सिम' कितना कुछ बदलेगा और कितने फायदे मिलेंगे

क्या है ISIM: दुनिया की जानी-मानी चिप बनाने वाली कंपनी क्वालकॉम ने वोडाफोन और थेल्स ग्रुप के साथ मिलकर ISIM को पेश किया है। क्या है आई सिम, स्मार्टफोंस में इसे कैसे लगाया जाएगा, यूजर्स को इसके क्या फायदे मिलेंगे, जानिए इन सवालों के जवाब...

दुनियाभर में सिर्फ स्मार्टफोन को बेहतर बनाने के लिए ही नहीं, सिमकार्ड में बदलाव लाने के लिए कोशिशें की जा रही हैं। इसी का उदाहरण है, आई सिम। दुनिया की जानी-मानी चिप बनाने वाली कंपनी क्वालकॉम ने वोडाफोन और थेल्स ग्रुप के साथ मिलकर इसे पेश किया है। कंपनी चाहती है, वर्तमान में इस्तेमाल किए जा रहे नैनो सिम की जगह नई तकनीक से लैस इस आई सिम का इस्तेमाल किया जा सके। यूजर्स को इस खास सिम के जरिए कई तरह के फायदे मिलेंगे, जिससे काफी कुछ बदलेगा। खास बात है कि भविष्य में स्मार्टफोन में नैनो सिम कार्ड लगाने की जरूरत ही नहीं होगी।

क्या है आई सिम, पहले इसे समझें? डिजिट की रिपोर्ट की मुताबिक, क्वालकॉम ने आई सिम से लैस स्मार्टफोन को पेश किया है। फोन में इंटीग्रेटेड सिम तकनीक का प्रयोग किया गया है। आसान भाषा में समझें तो सिम को फोन के प्रोसेसर में लगा दिया गया है। इसे मार्केट से खरीदकर अलग से लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। क्वालकॉम ने फोन में इनबिल्ड सिम को पेश किया है, वह बेहतर काम भी कर रह है।

अब आई सिम के फायदों को जान लीजिए : इसके फायदों को तीन तरीके से समझते हैं, पहला यूजर के लिए, दूसरा मोबाइल बनाने वाली कंपनियों के लिए और तीसरा नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के लिए।

> यूजर को मिलने वाला फायदा : प्रोसेसर में लगा हुआ मिलेगा ई-सिम। ऐसा होने के कारण यूजर इसके खोने या डैमेज होने पर अलग से सिम नहीं खरीदना पड़ेगा। सब कुछ डिजिटली होगा। इसके अलावा यूजर को नई तरह की डिजाइन वाले स्मार्टफोन मिल सकेंगे। क्वालकॉम का दावा है, इस नए सिम की मदद से डिवाइस की परफॉर्मेंस बढ़ेगी और मेमोरी में इजाफा हो सकेगा। इसके अलावा भी कई फायदे मिलेंगे।

> मोबाइल कंपनी को मिलने वाला फायदा : मोबाइल ही नहीं, लैपटॉप, स्मार्टवॉच और दूसरी डिवाइस में भी इसे सिम को लगाया जा सकेगा। डिवाइस में पुराने सिम का स्लॉट खत्म होने पर कंपनियां को ज्यादा जगह मिलेगी इससे इस्तेमाल इनोवेशन करने में किया जा सकेगा। जगह बढ़ने पर स्मार्टफोन की डिजाइंस में कई तरह से बदलाव किए जा सकेंगे।

> नेटवर्क कंपनी को फायदा : इस नए > आई सिम के कारण नेटवर्क प्रोवाइडर कंपनियों का अतिरिक्त खर्च बचेगा। फिजिकल सिम को उपलब्ध कराने का झंझट खत्म होगा, सबकुछ ऑनलाइन किया जा सकेगा।

> इससे कितना कुछ बदलेगा? : इस आई सिम से काफी कुछ बदलने की उम्मीदें हैं। जैसे- प्लास्टिक का इस्तेमाल कम होगा क्योंकि वर्तमान में इस्तेमाल होने वाले फिजिकल नैनो सिम का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। दावा किया जा रहा है कि यूजर को इससे बेहतर नेटवर्क मिलेगा और यूजर्स को कॉल कनेक्ट करने में होने वाली आम दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

> अभी आई सिम से कितना दूर है आम यूजर? : चिपमेकर कंपनी क्वालकॉम ने यूरोप ने अपनी इस तकनीक का उदाहरण पेश कर दिया है। यह प्रयोग सफल रहा है। कंपनी ने आई सिम का प्रयोग सैमसंग के Galaxy z flip 5G मॉडल पर किया है। इनमें स्नैपड्रैगन 888 5G प्रोसेसर लगा हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है, कंपनी ने शुरुआती स्तर की प्रक्रिया पूरी कर ली है इसलिए इसे आम यूजर आने लम्बा समय नहीं लगेगा।

iSIM, eSIM और फिजिकल सिम में कितना फर्क है?

- **फिजिकल सिम :** मोबाइल फोन्स में इसकी शुरुआत 1996 में हुई थी। सिम को लगाने के लिए मोबाइल कंपनियों को अलग से इसके लिए एक स्लॉट बनाना पड़ता है। ज्यादातर फोंस में दो सिम कार्ड लगाने के लिए स्लॉट दिए जाते हैं। वहीं, एपल जैसी कंपनी एक सिम को ही लगाने की परमिशन देती है।
- **eSIM :** यह एक वर्चुअल सिम कार्ड है। इसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। eSIM को स्मार्टफोंस के मदरबोर्ड के साथ लगाया जाता है। यह फिजिकल सिम कार्ड जैसा बिल्कुल नहीं होता। अगर आप ई-सिम खरीदते हैं तो इसे टेलिकॉम कंपनियां ओवर-द-एयर एक्टिवेट करती हैं। इसमें यूजर को हर वो फीचर मिलता है तो एक आम सिम कार्ड में होता है।
- **iSIM :** यह सबसे नई सिमकार्ड तकनीक है। स्मार्टफोन्स के प्रोसेसर में इस सिम को लगाया जाता है। कंपनी क्वालकॉम ने हाल में इसे पेश किया और दावा किया है कि यह प्रयोग सफल रहा है।

गाड़ी पर तिरंगा लगाकर घूमना है गैर-कानूनी... पहले जान लीजिए क्या कहते हैं झंडा लगाने के नियम

आपने देखा होगा कि कई लोगों की कार पर भारत का झंडा लगा रहता है और हो सकता है कि आपकी कार पर भी हो। तो जानते हैं कार पर झंडा लगाने के नियम और कौन कार पर झंडा लगा सकता है।

26 जनवरी या 15 अगस्त के मौके पर सड़क पर भारत के झंडे बिकने भी शुरू हो जाते हैं। इसके बाद हर अपने घर या कार पर झंडे लगाता भी है। लोग देशभक्ति की भावना के लिए ऐसा करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं झंडे फहराने के भी कई कानूनी नियम हैं। ये नियम कहते हैं कि हर कोई अपनी कार पर भारत का झंडा नहीं लगा सकता है और ऐसा करना भारतीय झंडा संहिता का उल्लंघन है। आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है, मगर ऐसा ही है।

ऐसे में जानते हैं कि भारतीय झंडा संहिता के अनुसार कार पर झंडा लगाने के क्या नियम हैं और किन-किन लोगों को ही कार पर झंडा लगाने का अधिकार दिया गया है। इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि नियमों के अनुसार, कौन लोग कार पर झंडा लगा सकते हैं...

कौन लगा सकता है झंडा?

गृह मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है और राष्ट्रीय ध्वज फहराने संबंधी भारतीय झंडा संहिता 2002 बनाई गई है। इसमें झंडारोहण को लेकर कई नियम बनाए गए हैं और बताया गया है कि किस तरह से राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस झंडा संहिता में कुछ लोगों को कार (मोटर-कारों) में झंडे फहराने के विशेष अधिकार दिए गए हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति उप राष्ट्रपति राज्यपाल और उप राज्यपाल प्रधानमंत्री और अन्य केबिनेट मंत्री केंद्र के राज्य मंत्री और उप मंत्री मुख्यमंत्री और केबिनेट मंत्री लोकसभा अध्यक्ष राज्यसभा और लोकसभा उपाध्यक्ष, विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों पोस्टों के अध्यक्ष, विधानसभाओं के अध्यक्ष, भारत के मुख्य न्यायाधीश हाईकोर्ट के न्यायाधीश झंडा लगा सकते हैं।

कैसे लगाना होगा झंडा?

जब कोई विदेशी मेहमान सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई कार में यात्रा करता है तो राष्ट्रीय ध्वज कार के दाईं ओर लगाना होगा और संबंधित दूसरे देश के व्यक्ति का झंडा कार के बाईं तरफ लगाना होता है।

हो सकती है कार्रवाई

नियमों के अनुसार, ऊपर बताए गए व्यक्ति के अलावा कोई और व्यक्ति कार पर झंडा लगाता है तो उन पर कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति भारत के संविधान या उसके भाग को जलाता है, कुचलता है या इसे गंदा करता है तो राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 के तहत 3 साल तक की जेल या जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा झंडा संहिता में कई तरह के अन्य नियम भी तय किए गए हैं, जिनके अनुसार झंडे का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या दिया था आदेश?

साल 2004 से पहले सिर्फ सरकारी विभागों, दफ्तरों और शिक्षा संस्थानों पर ही झंडा लगाने की इजाजत थी। साल 2004 में भारत सरकार बनाम नवीन जिंदल मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर हिंदुस्तानी को तिरंगा फहराने का अधिकार है। हालांकि कार पर तिरंगा लगाने का अधिकार अभी भी बहुत कम लोगों को मिला है और आम आदमी झंडे का इस्तेमाल कार के आगे लगाने के लिए नहीं कर सकता है।

पॉपकॉर्न इतना क्यों उछलता है, इसका विज्ञान चौंकाने वाला है, पढ़ें ऐसा क्यों होता है

पॉपकॉर्न को पकते होते हुए तो जरूर देखा होगा। मक्की का दाना फूलते ही उछलने लगता है। इससे पता चलता है कि यह खाने के लिए तैयार हो गया है। पर सवाल है कि यह आखिर इतना क्यों उछलता है? जानिए ऐसा होता क्यों है?

पॉपकॉर्न को पकते होते हुए तो जरूर देखा होगा। मक्की का दाना फूलते ही उछलने लगता है। इससे पता चलता है कि यह खाने के लिए तैयार हो गया है। पर सवाल है कि यह आखिर इतना क्यों उछलता है? वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च की है और रिसर्च में कई बातें सामने आई हैं। जो चौंकाती हैं। जानिए, पॉपकॉर्न इतना क्यों उछलता है?

लाइव साइंस की रिपोर्ट कहती है, पॉपकॉर्न के उछलने की कई वजह हैं। पहली वजह है, इसे अधकि तापमान पर पकाया जाना। चौंकाने वाली बात यह है कि 170 डिग्री सेल्सियस पर गर्म करने पर भी मात्र 30 फीसदी ही मकई पॉपकॉर्न में तब्दील होते हैं। वहीं, 90 फीसदी पॉपकॉर्न को पकाने के लिए 180 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है।

इसके उछलने की दूसरी वजह है, मकई में 10 से 20 फीसदी तक पानी का होना। पॉपकॉर्न को पकाने पर इसका भी असर दिखता है। रिपोर्ट कहती है, जब मक्की को गर्म किया जाता है तो इसमें प्रेशर बनता है। पानी भाप बनकर निकलता है और ये फूटने लगते हैं।

पॉपकॉर्न पकते समय आवाज भी करते हैं। इसकी वजह भी इसके अंदर का पानी है। जब इसे पकाया जा रहा होता है तो इसमें पानी होने के कारण भाप निकलने के लिए दबाव बनता है और यह फूट जाता है। इसके फूटने पर आवाज निकलती है। इससे पता चलता है कि वो पॉपकॉर्न खाने के लिए तैयार हो गया है।

जैसे-जैसे इनके अंदर दबाव बनता है उतनी तेजी से यह फूलते जाते हैं। एक लिमिट के बाद यह फट जाते हैं और पॉपकॉर्न में तब्दील हो जाते हैं। इसके अंदर का स्टार्च मॉलिक्यूल मुलायम फ्लेक्स के तौर पर तैयार हो जाता है। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इसी स्टार्च के कारण ही यह उछलता है।

पोजीटिव न्यूज

भारत में 15 फरवरी तक थम जाएगी कोरोना की रफ्तार! कुछ राज्यों और मेट्रो शहरों में कम हुए कोविड केस

सरकार के सूत्रों ने बताया है कि भारत में कोरोनावायरस के मामलों में 15 फरवरी तक कमी आ जाएगी। वर्तमान में कोविड केस तेजी से बढ़ रहे हैं।

भारत में कोरोनावायरस के मामलों में पिछले एक हफ्ते से तेजी से इजाफा हो रहा है। हालांकि, देश में 15 फरवरी तक कोविड के मामलों में कमी आएगी। सरकार के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि कुछ राज्यों और मेट्रो शहरों में कोविड के मामले कम होने लगे हैं। इसके अलावा, यहां पर मामलों में स्थिरता भी देखने को मिल रही है। वैक्सीनेशन की वजह से कोरोना की तीसरी लहर का प्रभाव कम हो गया है। सूत्रों ने आगे कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ समन्वय कर रहा है। फिलहाल देश की 74 फीसदी आबादी का फुली वैक्सीनेशन हो चुका है।

द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कहा कि भारत में कोरोनावायरस की चल रही लहर के दौरान कम मौतें देखने को मिली हैं, क्योंकि वैक्सीनेशन के कवरेज में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि 6।5 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोविड-19 वैक्सीन की दूसरी डोज नहीं लगवाई है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बढ़ रहे कोरोना मामलों को 'तीसरी लहर' के रूप में नामित भी कर दिया है। मंत्रालय का कहना है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में सबसे ज्यादा कोविड केस सामने आ रहे हैं।

241 दिनों में सबसे ज्यादा एक्टिव केस : वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटे में भारत में एक दिन में कोविड-19 के 3,06,064 नए मामले सामने आए हैं। इस तरह देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,95,43,328 हो गई। देश में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 22,49,335 हो गई है, जो 241 दिन में सर्वाधिक है। पिछले 24 घंटे में देश में 439 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,89,848 हो गई। देश में अभी 22,49,335 लोगों का कोरोना का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 5.69 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 62,130 की वृद्धि दर्ज की गयी। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर घटकर 93.07 फीसदी हो गई है।

कुछ इस तरह बढ़े कोविड केस : देश में अभी तक कुल 3,68,04,145 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.24 फीसदी है। राष्ट्रव्यापी वैक्सीनेशन अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 वैक्सीन की 162.26 करोड़ से अधिक डोज दी जा चुकी हैं। देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

अंतरिक्ष में तैनात हुआ नासा का जेम्स वेब टेलिस्कोप, दुनिया की सबसे शक्तिशाली दूरबीन से खुलेगा ब्रह्मांड का राज!

नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप ने अपनी मिरर को खोल लिया है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नाला के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप ने अपना दो हफ्ते के डिप्लॉयमेंट फेज को पूरा कर दिया। इस तरह टेलिस्कोप ने अपने आखिरी मिरर खोल लिया है। अब जेम्स वेब टेलिस्कोप ब्रह्मांडीय इतिहास के हर फेज की स्टडी करने के लिए तैयार है। नासा ने ट्वीट कर कहा, 'आखिरी विंग तैनात हो गया है।' इसने कहा कि टीम विंग को जगह में लाने के लिए कई घंटे से काम कर रही थी। टेलिस्कोप अपने ऑपरेशनल कंफिगरेशन के दौरान रॉकेट की नोज में फिट नहीं हो पाया। इस वजह से टेलिस्कोप को फोल्ड करके लॉन्च किया जाएगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी के मुताबिक, टेलिस्कोप को अंतरिक्ष में खोलना एक जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य कर रहा है।

नासा ने बताया कि इस तरह ये अब तक की सबसे कठिन परियोजना में से एक था। जेम्स वेब अब तक का सबसे शक्तिशाली टेलिस्कोप और इसे हबल टेलिस्कोप का उत्तराधिकारी माना गया है। जेम्स वेब को 25 दिसंबर को फ्रेंच गुयाना से एरियन 5 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। टेलिस्कोप पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर अपने कक्षीय बिंदु की ओर बढ़ रहा है।

टेलिस्कोप की इन्फ्रारेड टेक्निक इसे 13.5 अरब साल पहले बने पहले सितारों और आकाशगंगाओं को देखने में मदद करता है। नासो ने कहा, जश्न मनाने से पहले, हमें अभी भी काम करना है। जब आखिरी हैच खुल हो जाएगा, तो नासा वेब टेलिस्कोप पूरी तरह से अंतरिक्ष में खुल जाएगा। इस हफ्ते की शुरुआत में इसने अपनी पांच परतों वाली सनशील्ड को तैनात किया। ये पतंग के आकार वाला है।

बता दें कि जेम्स वेब टेलिस्कोप को 24 दिसंबर को लॉन्च किया गया था। इसके जरिए 13 बिलियन प्रकाशवर्ष दूर तक देखने का टारगेट रखा गया है। टेलिस्कोप के जरिए ब्रह्मांड के रहस्यों को खोला जाएगा। जहां हबल टेलिस्कोप पृथ्वी के पास ही चक्कर लगा रहा है। लेकिन जेम्स वेब टेलिस्कोप को पृथ्वी और चांद से दूर तैनात किया गया है।

चमचमाते हीरे की तो कई कहानियां आपने पढ़ी होगी, लेकिन काला हीरा भी क्यों होता है महंगा

आपने चमचमाते हीरे तो देखें होंगे और सुना होगा कि ये काफी महंगे होते हैं। ऐसे ही ब्लैक डायमंड भी होते हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है।

आपने चमचमाते हीरे तो देखे होंगे, लेकिन एक ब्लैक डायमंड होता है। यह डायमंड भी काफी महंगा होता है। ऐसा ही एक ब्लैक डायमंड खबरों में है, जो हाल ही में दुबई में सोदबी की गैलरी में बिक्री से पहले सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया। यह ब्लैक डायमंड अपनी प्राइज की वजह से चर्चा में है। तो जानते हैं आखिर ब्लैक डायमंड क्यों महंगा होता है और इसकी कीमत बताई जा रही है।

इसे दुनिया का सबसे बड़ा कट डायमंड कहा जा रहा है। 555।55 कैरेट के काले हीरे को एनिग्मा के नाम से जाना जाता है।

उम्मीद जताई जा रही है कि इसका दाम 50 लाख डॉलर 37 करोड़ रुपये तक जा सकता है। इसे दुबई में सोदबी की गैलरी में बिक्री से पहले सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा गया है।

सोदबी के नीलामी घर की ज्वेलरी विशेषज्ञ सोफी के मुताबिक संभवत: 2।6अरब साल पहले किसी उल्का पिंड के पृथ्वी से टकराने की सूरत में दुर्लभ काले हीरे का निर्माण हुआ होगा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल इस दुर्लभ ब्लैक डायमंड को बिटकॉइन का इस्तेमाल करके भी खरीदा जा सकता है।

यूएस से आइडिया 'चुरा' चीन ने तैयार किया दुनिया का पहला 'बॉडी शील्ड', टैंकों को तबाह करने वाली गोलियों को झेलने में है सक्षम

चीन ने जिस बॉडी शील्ड को तैयार किया है। उसके डिजाइन को अमेरिकी सेना द्वारा अप्रूव नहीं किया गया था।

चीन ने सैनिकों को कवच-भेदी हथियारों से बचाने के लिए दुनिया की पहली हल्की और लचीली बॉडी शील्ड (बनाने का दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'आर्मर-पियर्सिंग इंसेन्डियरी' की गोलियों के तीन राउंड को इस बॉडी शील्ड पर शूट किया गया। इस दौरान बंदूक के जरिए बॉडी शील्ड पर पॉइंट-ब्लैंक रेंज (15 मीटर या 50 फीट तक) से शूट किया गया था। लेकिन इन गोलियों को कवच में छेद करने में कामयाबी नहीं मिली। 7.62 मिमी एपीआई बुलेट मूल रूप से टैंकों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किए गए थे। लेकिन अब इनका इस्तेमाल कवच को भेदने के लिए किया जाता है।

हुनान यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रमुख प्रोजेक्ट साइंटिस्ट प्रोफेसर झू देजू ने कहा कि एक बार जब गोली बॉडी शील्ड पर लगी, तो इसकी ऊर्जा खत्म हो गई। इसके साथ ही ये बिना किसी निशान के गायब हो गई। गोलियों की वजह से बॉडी शील्ड के पीछे की रबर की दीवार पर निशान देखने को मिला। ये निशान 20 मिमी तक गहरे थे। यहां गौर करने वाली बात ये है कि इस डिजाइन को अमेरिकी सेना द्वारा अप्रूव नहीं किया गया था। वहीं, चीन ने इस आइडिया का इस्तेमाल करते हुए अब दुनिया का पहला बॉडी शील्ड को तैयार कर लिया है।

अमेरिका ने इस कवच के डिजाइन को क्यों छोड़ा?

अमेरिका की पिनाकल आर्मर नामक एक कंपनी ने साल 2000 के करीब में स्केल टाइप कवच को तैयार किया, जो तीन एक-47 गोलियों को झेल सकता था। हालांकि, अमेरिका सेना को कंपनी के साथ सौदा करने से ठीक पहले पता चला कि युद्ध के समय इसमें छेद होने की संभावना अधिक थी। सेना ने 48 राउंड गोलियां चला कर पाया कि 13 गोलियां इस बॉडी शील्ड को भेदने में सक्षम हुईं। इसके अलावा, अधिक तापमान, पसीना और रेगिस्तान जैसे खतरनाक वातावरण में इस बॉडी शील्ड को जोड़कर रखने वाले स्केल (टुकड़े, जिन्हें मिलाकर इसे बनाया गया) कमजोर होकर बिखरने लगते। इस वजह से अमेरिका ने इस डिजाइन को नहीं अपनाया।

चीनी बॉडी शील्ड में नया क्या है?

झू देजू की टीम के मुताबिक, ग्रास कार्प नामक एक ताजे पानी की मछली से प्रभावित होकर स्केल कवच को तैयार किया गया है। ग्रास कार्प मछली के स्केल को काटना या भेदना मुश्किल होता है। इस वजह से ये मछली शिकारियों के जबड़े से सुरक्षित निकल जाती है। इसके बाद टीम ने एक हल्का कवच तैयार किया, जो पिस्तौल की गोली को झेल सकता था। लेकिन API गोलियों को झेलना काफी जटिल था, क्योंकि गोली कवच में बहुत तेजी से घुस गई। कई विफलताओं के बाद, झू की टीम ने कथित तौर पर पाया कि सिलिकॉन कार्बाइड से बने स्केल ने सबसे अच्छा काम किया। इसके बाद इन स्केल को जोड़कर इस बॉडी शील्ड को तैयार किया गया।

युवाओं से भारत को जीवंत और प्रगतिशील गणराज्य बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

जगराओं. अतिरिक्त उपायुक्त डॉ नयन जस्सल ने आज युवाओं से भारत को एक जीवंत और प्रगतिशील गणराज्य बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। आज यहां गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज लहराने के उपरांत सभा को संबोधित करते हुए, एडीसी ने कहा कि इस दिन का हमारे जीवन में बहुत महत्व है क्योंकि इस ऐतिहासिक दिन पर भारत का संविधान लागू हुआ था। उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान ने प्रत्येक देशवासियों को वोट देने का अधिकार दिया है, जिससे वे सभी देश के सामाजिक और राजनीतिक विकास में समान भागीदार बन गए हैं। डॉ नयन ने कहा कि यह सही समय है कि युवाओं को आगे आना चाहिए और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनो का भारत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

एडीसी ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत गर्व और सम्मान की बात है कि पंजाबियों ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह उल्लेख करते हुए कि 80% से अधिक लोग जो या तो शहीद, निर्वासित या आजीवन कारावास में थे, वे पंजाबी थे, उन्होंने कहा कि हमारे बहादुर पंजाबी सैनिकों ने देश की अखंडता को बाहरी आक्रमण और आंतरिक गड़बड़ी से हमेशा सुरक्षित रखा है। इसी तरह, डॉ नयन ने कहा कि मेहनती पंजाबी किसानों ने देश के कुल क्षेत्रफल का सिर्फ 2.5% होने के बावजूद देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है।

एडीसी ने कहा कि पंजाब गुरुओं, संतों और संतों की भूमि है और हम पंजाबियों को अपने महान गुरु श्री गुरु अर्जुन देव, श्री गुरु तेग बहादुर और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी से आत्म बलिदान की भावना विरासत में मिली है। उन्होंने कहा कि पंजाबियों को इस पवित्र भूमि पर अधिक गर्व है जहां से कूका, पगड़ी संभल, ग़दर, गुरुद्वारा सुधार, बब्बर अकाली और अन्य जैसे स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण आंदोलनों का नेतृत्व किया गया था। डॉ नयन ने कहा कि आज भी पंजाब और उसके लोग देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद पंजाब में 82.62 करोड़ की संपत्ति ज़ब्त

चंडीगढ़. पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के उपरांत अलग-अलग एनफोर्समेंट टीमों द्वारा राज्य में 26 जनवरी, 2022 तक आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के सम्बन्ध में 82.62 करोड़ रुपए की कीमत की संपत्ति ज़ब्त की गई हैं। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सी.ई.ओ.) डॉ. एस. करुणा राजू ने आज बताया कि निगरानी टीमों ने 7.02 करोड़ रुपए की 16.10 लाख लीटर शराब ज़ब्त की

है। इसी तरह एनफोर्समेंट विंग द्वारा 58.89 करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ बरामद करने के अलावा 15.51 करोड़ रुपए की बेनामी नकदी भी ज़ब्त की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 1,164 संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई है।

इसके अलावा अशांति फैलाने की संभावना वाले 2,713 व्यक्तियों की पहचान भी की गई है, जिनमें से 1,702 व्यक्तियों के विरुद्ध पहले ही निवारक कार्रवाई शुरु की जा चुकी है, जबकि बाकियों पर भी जल्द मामला दर्ज कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा के नज़रिए से सी.आर.पी.सी. अधिनियम की निवारक धाराओं के अंतर्गत 570 व्यक्तियों को काबू किया गया है। उन्होंने बताया कि ग़ैर-ज़मानती वॉरंट के 2,470 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 145 मामलों में निष्पादन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य भर में 12,054 नाके लगाए गए हैं।

डॉ. राजू ने बताया कि चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार राज्य में कुल 3,90,275 लाइसेंसी हथियारों में से अब तक 3,74,299 हथियार जमा करवाए जा चुके हैं। जबकि, राज्य में 56 बिना लाइसेंस वाले हथियार ज़ब्त किए गए हैं।

29 व 30 को 300 से ज्यादा जगह मेगा वैकसीनेशन कैंप

जालंधर. ज़िले में चल रहे विशेष टीकाकरण अभियान के अंतर्गत प्रशासन की तरफ से 29 और 30 जनवरी, 2022 को ज़िले भर में 300 से अधिक स्थानों पर मेगा वैकसीनेशन कैंप लगाए जा रहे है, ताकि अधिक से अधिक योग्य लाभपातरियों को कोविड वैक्सीन की ख़ुराक लगाई जा सके। डीसी घनश्याम थोरी ने बताया कि ज़िले में कोविड टीकाकरण के लिए पहले ही 257 स्थाई सैशन साईटें चल रही है, जिनमें सब डिविज़न जालंधर -1 में 100, जालंधर -2 में 34, नकोदर में 38, फिल्लौर में 58 और सब डिविज़न शाहकोट में 27 सैशन साईटें शामिल है। उन्होंने बताया कि इन समेत राधा स्वामी सतिसंग घर, पी.एस.पी.सी.एल. के दफ़्तरों, पिम्स, अपहिज आश्रम सहित 300 से अधिक स्थानों पर कैंप लगाए जाएंगे।

डीसी ने बताया कि इन विशेष कैंपों में अधिक से अधिक योग्य लाभपातरियों के टीकाकरण को यकीनी बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें और नोडल अधिकारियों को ज़रूरी दिशा -निर्देश पहले ही जारी किये जा चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रशासन की तरफ से लगातार जागरूक भी किया जा रहा है।

निक्कू पार्क में 'बर्मा ब्रिज ' की शुरुआत

डीसी ने पार्क की पुरानी शान को बहाल करने की वचनबद्धता दोहराई

जालंधर. शहर के सबसे पुराने पार्क में मनोरंजन गतिविधियों को और बढावा देते हुए ज़िला प्रशासन जालंधर ने आज निक्कू पार्क में करीब 7 लाख रुपए की लागत के साथ 'बर्मा ब्रिज ' की शुरुआत की। डीसी घनश्याम थोरी ने कहा कि नया बर्मा ब्रिज जहाँ पार्क के आकर्षण को बढाएगा, वही प्रशासन की तरफ से कम कीमत पर मनोरंजन की कई सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। इस मौके पर एडीसी नवांशहर अमित सरीन भी मौजूद थे। डीसी ने बताया कि बर्मा ब्रिज एक लंबा रस्सी वाला पुल है, जिस को ऊँचाई पर लटकाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी इस पुल पर सैर कर सकता है और दोनों पुल तीन झौंपड़ियों के

साथ जुड़े हुए हैं, जहाँ बच्चे पुल की सैर दौरान आराम करने के लिए कुछ समय व्यतीत कर सकते है। इस मनोरंजन पार्क की पुरानी शान को बहाल करने की अपनी वचनबद्धता को दोहराते हुए घनश्याम थोरी ने कहा कि यहाँ पहले ही 12 लाख रुपए की लागत के साथ मुरम्मत और नुहार के प्राजैक्ट सहित कई पहलकदमियां की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि दीवार चित्रकारी, सी.सी.टी.वी. कैमरे, बंद पड़ी राईड और झूलो का फिर से संचालन, क्रिकेट बालिंग मशीन की स्थापना के इलावा अन्य कई कार्य पहले ही यकीनी बनाए गए है। शहर के बिल्कुल के बीच 4.5 एकड़ में स्थित निक्कू पार्क कोविड -19 महामारी कारण लगभग एक साल बंद रहने कारण संभाल की कमी कारण ख़स्ता हालत में था और डिप्टी कमिशनर ने पार्क की हालत का जायज़ा लेने उपरांत 12 लाख रुपए की वित्तीय सहायता जारी की थी।

निक्कू पार्क के मैनेजर एस.एस.सिद्धू ने बताया कि पार्क के सभी मुख्य झूले और राईडज़, जिनमें अमऊज़मैंट बस, फुव्वारा, ट्रेन, फलड्ड लाईटों, ब्रेक डांस स्विंग और क्रिकेट बालिंग आदि शामिल है, हाल ही में चालू किये गए है। उन्होंने कहा कि अब यह नया बर्मा ब्रिज इस पार्क में आकर्षण का एक अन्य केंद्र बनेगा।

शहीद-ए-आज़म को नमन

• गणतंत्र दिवस पर खटकड़कलां में शहीद भगत सिंह को नमन करते हुए एडीसी नवांशहर अमित सरीन।

चुनौतियों से मुकाबले को हर पंजाबी अपना फ़र्ज़ तनदेही से निभाए : परगट सिंह

गणतंतत्र दिवस मौके कपूरथला में लहराया तिरंगा

कपूरथला. पंजाब के कैबिनेट मंत्री पद्म श्री स.परगट सिंह ने कहा है कि पंजाब को भविष्य में आने वाली चुनौतियों के मुकाबले के लिए हर पंजाबी को अपना फ़र्ज़ पूरी तनदेही के साथ निभाना चाहिए। आज यहाँ कैबिनेट मंत्री ने गणतंत्र दिवस मौके गुरू नानक स्टेडियम में तिरंगा लहराने की रस्म अदा की और डिप्टी कमिशनर दीप्ति उप्पल और एस.एस.पी हरीश द्यामा ओम प्रकाश के नेतृत्व में परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने इस मौके संबोधन करते हुए कहा कि गणतंत्र बनने के बाद जैसे वर्ष आगे बढ रहे है तो उसी तरह हमारे लिए चुनौतियां भी बढ रही है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों को पंजाबियों ने पहले भी इनका सामना किया है और भविष्य की मुश्किलों के मुकाबले लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने की ज़रूरत है।उन्होंने स्वतंत्रता सैनानियों को नमन किया जिनके बलिदान से हम आज़ाद फिजा में रह रहे है।

उन्होंने कहा कि आत्म -सम्मान

के लिए बलिदान देने वाले शहीद -ए -आज़म सरदार भगत सिंह, शहीद करतार सिंह सराभा, शहीद उधम सिंह, शहीद लाला लाजपत राय, शहीद मदन लाल ढींगरा जैसे शूरवीरों की सोच आज भी हमें रास्ता दिखा रही है। कोविड कारण संक्षिप्त रूप में हुए समागम दौरान मुख्य मेहमान की तरफ से मार्च पास्ट से सलामी ली गई जिसका नेतृत्व परेड कमांडर डी.एस.पी कमलजीत सिंह औलख ने किया। इसके इलावा पंजाब पुलिस (पुरुष) के नेतृत्व ए.एस. आई स.जसबीर सिंह, पंजाब पुलिस (महिला)एस.आई कांता रानी और पंजाब होम गारडज़ के नेतृत्व ए.एस.आई निर्मल सिंह ने की। इससे पहले डिप्टी कमिशनर दीप्ति उप्पल और एस.एस.पी हरीश द्यामा ओम प्रकाश ने कैबिनेट मंत्री का सम्मान भी किया गया। शिक्षा विभाग की अध्यापिकाओं की तरफ से राष्ट्रीय गाण पेश किया गया, जिसके नेतृत्व में सुखविन्दर सिंह डी.एम स्पोर्टस की तरफ से गई।

इस मौके ज़िला और शैशन जज अमरिन्दर सिंह गरेवाल, अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर जनरल अदित्या उप्पल, अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर विकास एस पी आंगरा, एस.पी. जगजीत सिंह सरोआ और एस.डी. एम. डा. जैइन्दर सिंह और अन्य उपस्थित थे।

विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा 35 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी

जालंधर. पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा 27 उम्मीदवारो की पहली सूची शुक्रवार को जारी की गई। सूची के अनुसार भोहा से सीमा कुमारी, गुरदासपुर से परमिंदर सिंह गिल, बटाला से फतेह जंग बाजवा, डेरा बाबा नानक से कुलदीप सिंह, मजीठा से प्रदीप सिंह भुल्लर, अमृतसर पश्चिम से कुमार अमित वाल्मीकि, अटारी से बलविंदर कौर, फगवाड़ा से विजय सांपला, शाहकोट से नरिंदर पाल सिंह चंडी, करतारपुर से सुरिंदर महे, जालंधर कैंट से सरबजीत सिंह मक्कड़, आनंदपुर साहिब से डा. परमिंदर शर्मा, रूपनगर से इकबाल सिंह लालपुरा, चमकौर साहिब से दर्शन सिंह शिवजोत, एसएएस नगर (मोहाली) से संजीव वशिष्ठ, समराला से रंजीत सिंह गहलेवाल, लुधियाना से उत्तर प्रवीण बंसल, मोगा से डा. हरजोत कमल, गुरहरसहाय से गुरपरवेज सिंह संधू, बलुआना से वंदना सागवान, लंबी से राकेश ढींगरा, मौड़ से दयाल सिंह सोढ़ी, बरनाला से धीरज कुमार, धूरी से रनदीप सिंह देओल, नाभा से गुरप्रीत सिंह शाहपुर, राजपुरा से जगदीश कुमार जग्गा, घनौर से विकास शर्मा को टिकट दी है। इससे पहले पार्टी ने 34 प्रत्याशियों की सूची जारी की थी। भाजपा पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस व शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। कुल 117 सीटों में से भाजपा 65 , कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस 37 व शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी॥

दूसरे राज्यों से आए व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश

रिटर्निंग अधिकारियों को सूचियां बनाने के निर्देश

कपूरथला. पंजाब विधान सभा चुनाव 2022 के मद्देनज़र ज़िला चुनाव अधिकारी दीप्ति उप्पल ने चारों विधान सभा हलकों सुल्तानपुर लोधी, फगवाड़ा, भुलत्थ और कपूरथला के रिटर्निंग अधिकारियों और डी.एस.पीज़ को आदेश दिए गए है कि वह शांतिपूर्वक चुनाव यकीनी बनाने के लिए दूसरे राज्यों से आ रहे या पिछले कुछ समय दौरान आए लोगों पर कड़ी निगरानी रखे।

आज रिटर्निंग अधिकारियों, पुलिस आधिकारियों और नोडल अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रैंस के द्वारा चुनाव प्रक्रिया का जायज़ा लेते हुए उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से आए व्यक्तियों की सूचियों तैयार की जाएँ। उन्होंने स्टैटिक सरवीलैंस टीमों और उडन दस्तों के नोडल अधिकारियों को आदेश कि वह अपने गश्त में तेज़ी लाने और स्थाई नाकों पर वाहनों की जांच को बढ़ाया जाये। एस.पी मनजीत कौर ने जानकारी दी

कि नामांकन प्रक्रिया शुरू होने उपरांत 9 लाख 35 हज़ार रुपए की अनअधिकारित राशि बरामद की जा चुकी है जिस में से 3लाख रुपए ढिल्लवां और 6.16 लाख रुपए फ़गवाड़ा में बरामद किए है। ज़िला चुनाव अधिकारी ने रिटर्निंग अधिकारियों को यह भी आदेश दिए कि वह 80 साल से अधिक वाले वोटरों और शारीरिक तौर पर असमर्थ वोटरों को पोस्टल बैलट के द्वारा वोट की सुविधा देने के लिए 12 -डी फार्मों की बाँट का काम जल्द पूरा करे। इसके इलावा उन्होंने विरसा विहार में स्थापित गिनती केन्द्रों में सी.सी.टी.वी लगाने और शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय में करने को यकीनी बनाने के आदेश दिए।

कपूरथला के चार विधान सभा हलकों के लिए अभी तक कोई नामांकन नहीं

कपूरथला. ज़िला चुनाव अधिकारी-कम-डिप्टी कमिशनर दीप्ति उप्पल ने बताया कि विधान सभा चुनाव सम्बन्धित नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसके अंतर्गत अभी तक चार विधान सभा हलको सुल्तानपुर लोधी, फगवाड़ा, भुलत्थ और कपूरथला में किसी भी उम्मीदवार की तरफ से नामांकन पत्र दाख़िल नहीं किया गया। नामांकन पत्र सम्बन्धित रिर्टनिंग अधिकारी के दफ़्तर में सुबह 11 बजे से 3 बजे तक जमा करवाए जा सकते हैं।

पहली बार रोहित की कप्तानी में खेलेंगे कोहली, वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान

मुंबई. वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी-20 श्रृंखला के लिए टीम इंडिया का चयन हो चुका है। यह पहला मौका होगा जब रोहित शर्मा की कप्तानी में विराट कोहली मैदान पर उतरेंगे। कोहली काफी लंबे समय तक भारत के तीनों फॉर्मेट में कप्तान रहे हैं। हालांकि अब वह कप्तानी से मुक्त हो चुके हैं। विराट कोहली को वनडे टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही वेस्टइंडीज के खिलाफ T20 में भी वह दिखाई देंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया है। जबकि केएल राहुल दूसरे वनडे से मौजूद रहेंगे। विराट कोहली ने सितंबर 2021 में टी20 की कप्तानी छोड़ दी थी।

विराट के टी20 की कप्तानी छोड़ने के बाद सेलेक्टर्स ने उन्हें वनडे की कप्तानी से भी हटा दिया था। इसके बाद काफी विवाद भी हुआ था। हालांकि अब मामला शांत होता दिखाई दे रहा है। इन सबके बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 1-2 से मिली हार

के बाद कोहली ने टेस्ट की टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि कोहली टीम इंडिया में बतौर बल्लेबाज खेलते रहेंगे। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केएल राहुल ने कप्तानी की थी।

हॉकी इंडिया ने हॉकी पंजाब को निलंबित किया, तीन सदस्यीय एडहॉक समिति बनाई

प्रसिद्ध स्पोर्ट्स विसल्ह ब्लोअर इकबाल संधू ने किया फैसले का स्वागत!

जालंधर. भारत में हाकी के खेल जी एपेक्स संगठन हाकी इंडिया ने पंजाब हाकी के चुनावों में हुई धांधली का कड़ा संज्ञान लेते हुए सख्त करवाई करने पर पंजाब हाकी के अध्यक्ष और पंजाब के खेल मंत्री ओलंपियन परगट सिंह को बड़ा झटका लगा है। हॉकी पंजाब और पंजाब खेल विभाग में पैर पसार चुके "खेल माफिया" के खिलाफ बतौर स्पोर्ट्स व्हिसलब्लोअर के रूप में लामबंद हुए इकबाल सिंह संधू ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि हॉकी पंजाब के पदाधिकारियों के चुनाव में हॉकी पंजाब द्वारा की गई अनियमितताओं का हॉकी इंडिया ने कड़ा संज्ञान लिया लेते हुए हॉकी पंजाब को निलंबित कर दिया गया है। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पिछले 38 वर्ष तक

रहे महासचिव संधू ने आगे कहा कि हॉकी इंडिया ने पंजाब के खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए दिन-प्रतिदिन के काम के लिए तीन सदस्यीय एडहॉक समिति का गठन किया है जिस में भोला नाथ सिंह, ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी और कमांडर आर.के. श्रीवास्तव को क्रमश: अध्यक्ष, सदस्य और संयोजक नियुक्त किया गया है।

वर्णनीय है कि हाकी ओलंपियन से राजनेता बने परगट सिंह ने निदेशक खेल पंजाब होते हुए पहली बार साल 2009 में अकाली दल के अध्यक्ष तथा उप मुख्य मंत्री सुखबीर सिंह बादल के साथ मिलकर "हॉकी पंजाब" नामक एक नई हाकी संस्था की स्थापना करके उनको अध्यक्ष और आप महासचिव बनेथे । पंजाब हाकी का नियंत्रण अक्टूबर 2009 तक पंजाब पुलिस के पास रहा और डी.जी.पी. पंजाब इसके हमेशा अध्यक्ष हुआ करते थे । संधू ने आगे कहा कि 2017 में अकाली सरकार के जाने के बाद ओलंपियन परगट सिंह ने कांग्रेस से हाथ मिलाकर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को अध्यक्ष पद से हटाकर स्थानीय व्यवसायी नितिन कोहली को अध्यक्ष नियुक्त किया था। इस के बाद यह दोनों बारी-बारी से आपसी पद बदलते रहे हैं।

पूर्व पी.सी.एस. अधिकारी रहे संधू के मुताबिक, हॉकी इंडिया के इस ऐतिहासिक फैसले से पंजाब के सभी हॉकी खिलाड़ियों और उनके पैरेंट्स में खुशी की लहर दौड़ गई है और उन्हें उम्मीद है कि हॉकी इंडिया ने जैसे हॉकी पंजाब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है वैसे ही जिला स्तरीय हॉकी एसोसिएशन भी करवाई जिन्होंने कभी जिला हॉकी एसोसिएशन का चुनाव नहीं किया है और उन्होंने कभी सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर श्रेणियों में जिला चैंपियनशिप आयोजित ना करके उभरते खिलाड़ियों के भविष्य को खतरे में डाला है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.